संस्कृत

उद्देश्यम् – रसानुभूतिः

काव्यशिक्षण / कविताशिक्षण

पद्य शिक्षण

काव्यशिक्षण / कविताशिक्षण

पद्य क्या है : *काव्य, कविता या पद्य, साहित्य की वह विधा है जिसमें किसी कहानी या मनोभाव को कलात्मक रूप से किसी भाषा के द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है। कविता का शाब्दिक अर्थ है काव्यात्मक रचना या कवि की कृति, जो छन्दों की शृंखलाओं में विधिवत बांधी जाती है ।*

आचार्य विश्वनाथ के अनुसार- *"रसात्मकं वाक्यं काव्यं" अर्थात रसयुक्त वाक्य ही काव्य है । "*

पद्य शिक्षण

काव्यशिक्षण / कविताशिक्षण

उद्देश्यम् – रसानुभूतिः

- गतिलयपूर्वक काव्यपाठ द्वारा आनंद प्रदान करना तथा रुचि का विकास करना।
- काव्यगत भावों के द्वारा रसानुभूति प्राप्त करना ।
- कल्पनाशक्ति व तर्क शक्ति का विकास करना ।

पद्य शिक्षण की विधियाँ -

- दण्डान्वय विधि
- खण्डान्वय विधि (श्रेष्ठ विधि)
- गीत विधि
- भाषा अनुवाद विधि
- व्याख्या विधि
- भाष्य विधि
- तुलना विधि
- टिकाविधि
- समीक्षा विधि

पद्यशिक्षणविधयः

- गीत विधि
- दण्डान्वय विधि
- खण्डान्वय विधि
- भाषा अनुवाद विधि
- व्याख्या विधि
- भाष्य विधि
- तुलना विधि
- टिकाविधि
- समीक्षा विधि

गीत, कविता, श्लोकादि को पढ़ाने की प्रणाली गीत प्रणाली है। कक्षा में बालकों द्वारा समवेत स्वर वाचन भी करवाया जाता है (प्राथमिक स्तर हेतु)

पद्यशिक्षणविधय:

- गीत विधि
- दण्डान्वय विधि
- खण्डान्वय विधि
- भाषा अनुवाद विधि
- व्याख्या विधि
- भाष्य विधि
- तुलना विधि
- टिकाविधि
- समीक्षा विधि

यहां दंड वाक्य का प्रतीक है ।

संपूर्ण श्लोक का पूर्ण वाक्य में परिवर्तन करना दण्डान्वय विधि कहलाती है

इस विधि में श्लोक का अन्वय किया जाता है ।

इस में छात्र स्वयं या अध्यापक की सहायता से कविता में प्रधान वाक्य को खोजता है, फिर उसमें **व्याकरण संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं ।**

यहां श्लोक में से कर्ता, क्रिया, अन्य कारक, अव्यय पद, विशेषण, विशेष्य आदि को अलग-अलग करने हेतु प्रश्न किए जाते हैं और इन के माध्यम से श्लोक का अन्वय करने का प्रयास किया जाता है ।

पद्यशिक्षणविधय:

- गीत विधि
- दण्डान्वय विधि
- खण्डान्वय विधि
- भाषा अनुवाद विधि
- व्याख्या विधि
- भाष्य विधि
- तुलना विधि
- टिकाविधि
- समीक्षा विधि

यह पद्य शिक्षण की **सर्वश्रेष्ठ विधि** है (प्रतेक स्तर हेतु उपयुक्त है)

श्लोक का खण्डान्वय (खंड करके अन्वय) करके भावविचार संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं व्याकरण के स्थान पर श्लोक के विषय पर आधारित प्रश्न होते हैं।

श्लोक का अन्वय करने के लिए सर्वप्रथम श्लोक में से प्रधान वाक्य को खोजा जाता है

इस विधि में छात्र सक्रिय रहते हैं उनकी श्लोक पाठ में रुचि रहती है ।

छात्रों को रसानुभूति तथा सौंदर्य अनुभूति होती है ।

पद्यशिक्षणविधयः

- गीत विधि
- दण्डान्वय विधि
- खण्डान्वय विधि
- भाषा अनुवाद विधि
- व्याख्या विधि
- भाष्य विधि
- तुलना विधि
- टिकाविधि
- समीक्षा विधि

- अध्यापक द्वारा श्लोक को पढ़कर अर्थ बताकर कठिन शब्दों का मातृभाषा में अनुवाद कर दिया जाता है।
- इस से छात्र रट कर लिखने में समर्थ हो जाते हैं लेकिन उन्हें रसानुभूति नहीं होती। अतः यह विधि पद्य शिक्षण के लिए मनोवैज्ञानि विधि नहीं है क्योंकि यहाँ रसानुभूति नहीं होती।

पद्यशिक्षणविधयः

- गीत विधि
- दण्डान्वय विधि
- खण्डान्वय विधि
- भाषा अनुवाद विधि
- व्याख्या विधि
- भाष्य विधि
- तुलना विधि
- टिकाविधि
- समीक्षा विधि

अध्यापक श्लोक के एक-एक पद की व्याख्या करते हुए श्लोक का अर्थ बताता है। सौंदर्य तत्वों के बोध पर जोर दिया जाता है। (उच्चतर हेतु उपयुक्त)

पद्यशिक्षणविधयः

- गीत विधि
- दण्डान्वय विधि
- खण्डान्वय विधि
- भाषा अनुवाद विधि
- व्याख्या विधि
- भाष्य विधि
- तुलना विधि
- टिकाविधि
- समीक्षा विधि

इसमें ऐतिहासिक उदाहरणों की प्रधानता होती है। तुलना व समीक्षा विधि का एकीकृत रूप है। शिक्षक कथावाचक की तरह अनेक कथा और प्रसंगों को बताते हुए श्लोक के अर्थ को स्पष्ट करता है (उच्च स्तर हेतु उपयुक्त)

पद्यशिक्षणविधयः

- गीत विधि
- दण्डान्वय विधि
- खण्डान्वय विधि
- भाषा अनुवाद विधि
- व्याख्या विधि
- भाष्य विधि
- तुलना विधि
- टिकाविधि
- समीक्षा विधि

इस विधि में शिक्षक प्रस्तुत श्लोक के समान अर्थ वाला अन्य श्लोक बताते हुए तुलना करते हुए भावों को स्पष्ट करता है, इसमें शिक्षक को साहित्यज्ञ और भाषाविद् होना आवश्यक है ।

इस विधि में काव्य सौंदर्य की अनुभूति प्राप्त होती है।

पद्यशिक्षणविधय:

- गीत विधि
- दण्डान्वय विधि
- खण्डान्वय विधि
- भाषा अनुवाद विधि
- व्याख्या विधि
- भाष्य विधि
- तुलना विधि
- **टिकाविधि**
- समीक्षा विधि

इस विधि में शिक्षक विभिन्न टिकाओं की सहायता से व्याकरणात्मक एवं भावात्मक ज्ञान करवाता है।
(उच्च स्तर हेतु उपयुक्त)

पद्यशिक्षणविधय:

- गीत विधि
- दण्डान्वय विधि
- खण्डान्वय विधि
- भाषा अनुवाद विधि
- व्याख्या विधि
- भाष्य विधि
- तुलना विधि
- टिकाविधि
- समीक्षा विधि

शिक्षक कवि के जीवन दर्शन से छात्रों को अवगत कराता है।

अन्य कवियों के साथ तुलना करके गुण दोषों को बताकर समीक्षा की जाती है।

पद्य की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए काव्य सौंदर्य के तत्व का बोध व रस अनुभूति का प्रयास करता है।

पद्य पाठ योजना :

- प्रस्तावना
- उद्देश्य कथन
- प्रस्तुतिकरण
- आदर्श वाचन, अनुकरण वाचन
- अशुद्धि संशोधन काठिन्य निवारण
- भाव विशलेषण प्रश्न
- सौंदर्यानुभूति प्रश्न
- सार कथन
- सस्वर वाचन
- पुनरावृति प्रश्न /मुल्यांकन
- गृह कार्य